

चार्चिक्य पुं. (तत्.) 1. अंगराग लेपन 2. अंगराग 3. अंग को सुगंधित करना।

चार्ज पुं. (अं.) 1. कार्यभार 2. किसी काम का उत्तरदायित्व 3. संरक्षण, सुपुर्दगी, देखरेख, अधिकार 4. मूल्य, दाम, भाड़ा प्रयो. आपकी गाड़ी से घर जाने पर चार्ज तो ज्यादा देना पड़ेगा पर आराम रहेगा 5. लाठी चार्ज, हमला, आक्रमण।

चार्जशीट स्त्री. (अं.) 1. आरोप पत्र, आरोपों की तालिका या सूची 2. अभियोग-पत्र, जुर्मनामा।

चार्टर पुं. (अं.) वह आलेख या अधिपत्र जिसमें किसी शासन या सरकार की ओर से किसी को कोई स्वत्व या अधिकार देने की बात लिखी हो, सनद, अधिकार-पत्र 2. शर्त विशेष पर जहाज को किराए पर देना अथवा लेना जैसे- भारतीय व्यापारियों ने माल ले जाने के लिए तीन माह के लिए एक-एक फ्रांसीसी जहाज चार्टर किए हैं 3. जो राजा की सनद से स्थापित हुआ हो।

चार्म वि. (तत्.) 1. चर्म संबंधी 2. चमड़े वाला, चमड़े का 3. चमड़े से मढ़ा हुआ 4. ढाल वाला।

चार्मण वि. (तत्.) चमड़े से ढका हुआ।

चार्मिक वि. (तत्.) चमड़े का बना हुआ।

चार्य पुं. (तत्.) ब्राह्मण वैश्य द्वारा सवर्ण स्त्री से उत्पन्न एक वर्णसंकर जाति, (मनु) 2. दूतकार्य 3. दैत्य 4. जासूसी।

चार्या स्त्री. (तत्.) कौटिल्य के अर्थशास्त्र में वर्णित एक या दो दंड चौड़ा एक प्रकार का मार्ग या पथ।

चार्वाक पुं. (तत्.) 1. एक अनीश्वरवादी, नास्तिक तथा तार्किक चिंतक ऋषि 2. नास्तिक मत के प्रवर्तक बृहस्पति के शिष्य एक मुनि जो प्रत्ययवादी थे, वे पुनर्जन्म एवं परलोक को नहीं मानते थे।

चार्वी स्त्री. (तत्.) 1. बुद्धि 2. चाँदनी, ज्योत्स्ना दीप्ति 3. उद्दीप्त, आभा 4. सुंदर स्त्री 5. कुबेर की पत्नी 6. दारुहल्दी।

चाल स्त्री. (देश.) 1. गति, गमन चलने की क्रिया उदा. इस गाड़ी की चाल तो घोड़े की चाल से भी धीमी है 2. व्यवहार, बर्ताव 3. आचरण चाल-चलन 4. चाल-ढाल पुं. 1. घर का छप्पर या छत

2. छायायुक्त घरों की बस्ती 3. स्वर्णाचूड़ पक्षी 4. चलना या गतिशील होना 5. नीलकंठ पक्षी।

चालक वि. (तत्.) चलाने वाला, संचालक पुं. 1. नटखट हाथी, अंकुश न मानने वाला (निरंकुश) हाथी 2. नृत्य में भाव बताने या दर्शाने तथा सुंदरता लाने के लिए हस्त-संचालन (हाथ चलाने) की क्रिया करने वाला वि. चाल चलने वाला, धूर्त, छली, धूर्त व्यक्ति, छली आदमी, चाल चलने वाला पुरुष।

चाल-चलन पुं. (देश.) आचरण, व्यवहार, आचार-विचार, चरित्र, शील उदा. अभी जो मिला था, उसका चाल-चलन अच्छा नहीं है।

चाल-ढाल स्त्री. (देश.) आचरण, व्यवहार, 2. ढंग, तौर-तरीका।

चालन पुं. (तत्.) 1. चलाने की क्रिया, परिचालन 2. चलने की क्रिया, गति 3. चलनी-छलनी 4. चालने या छानने की क्रिया।

चालनहार वि. (देश.) चलाने वाला।

चालना स.क्रि. (तद्.) 1. चलाना, परिचालन करना 2. एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जाना 3. बिदा करवा कर ले जाना 4. हिलाना 5. कार्य-निर्वाह करना 6. बात उठाना, प्रसंग छेड़ना 7. आटे या अन्य पदार्थ को छलनी में डालकर इधर-उधर हिलाना जिससे आटा या अन्य महीन पदार्थ छन कर अलग हो जाए और भूसी, चोकर तथा मोटा पदार्थ रह जाए, अर्थात् छानना।

चालनी स्त्री. (तद्.) चलनी, छलनी।

चालनीय वि. (तद्.) जो चलाया या हिलाया (छाना) जा सके।

चालबाज वि. (फा.) धूर्त, चाल चलने वाला, छली (चालाकी करके छल करने वाला)।

चालबाजी स्त्री. (फा.) छल-कपट, धूर्तता, चालाकी।

चाला पुं. (देश.) 1. प्रस्थान, कूच, रवानगी 2. विदाई (बहू का पहले-पहल मायके से ससुराल और ससुराल से मायके आना-जाना) 3. यात्रा का मुहूर्त यथा. "आज दक्षिण दिशा का चाला नहीं है", या "दक्षिण का चाला नहीं है आज।" मुहा. चाला देखना- यात्रा का मुहूर्त देखना।